परतवाड़ा गणेश दर्शन

अनमोल गणेशोत्सव मंडल

भयानक गणेशोत्सव मंडल

गीता गणेशोत्सव मंडल

जय गुरुदेव गणेशोत्सव मंडल

जय महावीर गणेशोत्सव मंडल

जय श्रीकृष्ण गणेशोत्सव मंडल

पंचमुखी गणेशोत्सव मंडल

संकट मोचन गणेशोत्सव मंडल

सार्वजनिक नामदेव गणेशोत्सव मंडल

शिव गणेश गणेशोत्सव मंडल

श्रीगणेश गणेशोत्सव मंडल

नैसर्गिक वेदनाओं की बाढ़... केरल

प्रतिनिधि, 22 सितंबर

अमरावती- आम तौर पर सार्वजनिक गणेशोत्सव मंडलों में एक से बढ़कर एक झांकी प्रस्तुत की जाती है. विगत कुछ सालों से तो ऐतिहासिक व धार्मिक मंदिरों की प्रतिकृति भव्य-दिव्य स्वरुप में साकार की जा रही है. इन सबके बीच पिछले 10 वर्षों से घरेलू गणेशोत्सव में जुनी टाकसाल बुधवारा स्थित रुपेश टिंगणे प्रबोधनात्मक व सामाजिक व धार्मिक विषयों पर झांकी प्रस्तुत कर रहे हैं. लोकमान्य तिलक ने जिस उद्देश्य से गणेशोत्सव की परंपरा शुरु की, उस उद्देश्य को सार्थक किया जा रहा है.

इस बार नैसर्गिक वेदानाओं की बाढ़ में छलनी हुए केरल की झांकी साकार की गई है. देवभूमि के रुप में विख्यात केरल में बाढ़ से हाहाकार मचा है. रुपेश टिंगणे ने इस विषय पर झांकी प्रस्तुत करते हुए प्राकृतिक आपदा में हो रही राजनीति और बाढ़ के कारणों को दर्शाने का प्रयास किया है. इतना ही नहीं, बाढ़ पीड़ितों के लिए मदद व राहत कार्य करने वालों का

रुपेश टिंगणे के घर में झांकी

10 वर्षों की परंपरा

हौसलाअपजाई किया है. यह झांकी लोगों के कौतूहल व आकर्षण का केंद्र बनी है. केरल के महासंकट पर प्रस्तुत किये गए दृश्य से आंखों में पानी आ रहा है. रुपेश अशोकराव टिंगणे ने 2008 से घरेलू गणेश स्थापना दौरान झांकियां प्रस्तुत करने का निर्णय लिया. 2008 में चिड़िया बचाओ अभियान, 2009 में भारत समस्या दर्शन, 2010 में मालखेड़-पोहरा जंगल बचाओ, 2011 में भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई, 2012 में बेटी बचाओ अभियान, 2013 में केदारनाथ दर्शन, 2014 में जल ही जीवन है, 2015 में सिंहस्थ महापर्व, 2016 में महिलाओं की प्रगति, 2017 में 1942 के आंदोलन में अमरावती का सहभाग और इस साल केरल की विपदा झांकी के माध्यम से दर्शाई है.

प्रशांत युवा क्रीड़ा मंडल द्वारा आदर्श गणेशोत्सव

55वां वर्ष, प्रशांत नगर

प्रतिनिधि, 22 सितंबर

अमरावती - अध्यक्ष संकेत केने के मार्गदर्शन में प्रशांत युवा क्रीड़ा मंडल द्वारा आदर्श गणेशोत्सव मनाया जा रहा है. सचिव अक्षय येऊतकर, कोषाध्यक्ष अमित मोंढेकर, सदस्य प्रतीक मडके, चेतन वानखड़े, योगेश मोहोड़, अरुण बनारसे, अतुल इंगोले, श्रेयश केदार, मंगेश पांडे, योगेश मोहोड़, प्रज्वल मडके, सलीम रंगारी, रोहन वायल, संघरक्षित गजभिये, दर्शन तुलनाके, अक्षय झोड, समीर पाटिल, अखिलेश पछेल, मंदार येऊतकर, अनुज धांडे, प्रतीक वानखड़े, मयूर अनेकर का विशेष योगदान है.

शिल्पा कोठारी के उपवास का पचखान आज

यवतमाल,प्रतिनिधि, 22 सितंबर- गुरुदेव रतनमुनिजी म.सा., उपप्रवर्तक सतीशमुनिजी म.सा. आदिठाणा-5 के सानिध्य में कलंब में रविवार, 23 सितंबर को शिल्पा वीरेंद्र कोठारी के 31 उपवास का पचखान होगा. गत 30 दिनों से शिल्पा कोठारी ने मात्र पानी सेवन कर मासक्षमण तप आराधना पूरी होगी. इसके उपलक्ष्य में कलंब स्थित जैन धर्मस्थानक में उनके उपवास के पचखान कार्यक्रम का आयोजन किया गया है.

कलमाबाई पीरचंद कोटेचा की बेटी शिल्पा ने यह कठिन आराधना पूरी की है. इसके चलते सकल जैन समाज की ओर से उनकी सराहना की जा रही है. इस पचखान कार्यक्रम के लिए जिले के सकल बंधुओं से उपस्थित रहने की अपील खेमचंद कोठारी, बंसीलाल कोठारी, नरेंद्र कोठारी, वीरेंद्र कोठारी ने की है.

जिस दान से संतोष व शांति मिलती है वही उत्तम त्याग

मुनिश्री सुप्रभसागरजी महाराज का प्रवचन

प्रतिनिधि, 22 सितंबर

वाशिम- धर्म के 10 लक्षण हैं उसमें उत्तम क्षमा, उत्तम मार्दव, उत्तम आर्जव, उत्तम विचार, उत्तम सत्य , उत्तम संयम, उत्तम तप, उत्तम त्याग, उत्तम आकुंचन, उत्तम ब्रह्मचर्य का समावेश है. जब तक हम देने की भावना नहीं रखेंगे तब तक हमें सुख की प्राप्ति की भावना नहीं होगी. कुछ हासिल करने कुछ छोड़ना होता है. जिस तरह हम आग पर बर्तन रखते हैं, वह बर्तन को गर्म करने नहीं रखते बल्कि बर्तन में रखा हुआ दूध या अन्य वस्तु को गर्म करने का वह प्रयोग है. गर्म होने के बाद सब्जी भी आग के संपर्क में आने के बाद अपनी कठोरता छोड़ती है. दुध पानी को छोड़ देता है. इसी प्रकार से मनुष्य को भी धन, वस्तु, संपत्ति इस भावना का त्याग करना जरूरी है. जिस दान से आत्मसंतोष व शांति मिलती है वही उत्तम त्याग है, ऐसा मुनिश्री सुप्रभसागरजी महाराज ने कहा अपने प्रवचन में कहा .

स्थानीय महावीर भवन में चातुर्मास समिति व सफल जैन समाज की ओर से 14 सितंबर से समय सारोपासक साधना संस्कार शिविर आरंभ हुआ है. शुक्रवार को उत्तम त्याग विषय पर आठवां पुष्प पिरोते हुए उन्होंने उपरोक्त मार्गदर्शन किया. मंच पर मुनिश्री आराध्यसागरजी, मुनिश्री प्रणतसागरजी महाराज उपस्थित थे.

इस अवसर पर मुनिश्री सुप्रभसागरजी ने आगे बताया कि अब तक धर्म के 7 लक्षणों का ज्ञान हमने ग्रहण किया. मृत्यु शाश्वत सत्य है. हमने जीवनभर केवल इकट्ठा करने में ही धन्यता मानी. देने में कदम पीछे हट गये, लेकिन मृत्यु के बाद अपने शरीर पर कफन भी बाहर की दूकान से नया चढ़ाया जाता है. तिजोरी के कपड़े नहीं डाले जाते. इससे हम सीख प्राप्त करें. जलने के पूर्व ही त्याग करना सीखें. हमारे भीतर जो द्वेष है, उसे नष्ट करें. पेड़ हमें फल, फूल व छाया देते हैं. जब तक पतझड़ नहीं होती, तब तक वसंत ऋतु नहीं आती, पेड़ को नए पत्ते नहीं लगते. इसी तरह सिद्धालय में सुख-शांति के लिए हमारे मन की भावना, द्वेष व माया का त्याग करना जरूरी है. आज हर कोई मंदिर में भी व्यापार धर्म का पालन कर रहा है. भगवान को लालच देकर भीख मांग रहा है. केवल दिखावे के लिए व नाम के लिए कई कार्य समाज में शुरू हैं. लेकिन जिस तरह लकड़ी पानी में डालने के कुछ समय बाद ऊपर आती है, वैसे ही आत्मिक भावना से जब तक दान व त्याग नहीं करेंगे तब तक उसका योग्य फल नहीं मिलता. आंख, नाक कान व पेट का मल जब तक बाहर नहीं निकलता तब तक मन को चैन नहीं पड़ता. इसलिए अपना दान देते समय निःस्वार्थ भावना रखें. नाम के लिए दान ना करें. आत्मसंतोष के लिए व कल्याण के लिए दान का उपयोग करें. अपनी पहचान खुद निर्माण करें. कई लोग दान करते समय आज अपना खर्च हुआ है, ऐसी ओछी भावना रखते हैं. इसलिए वे जिस तरह भिखारी भीख मांगते हैं वही भावना उनमें वृद्धि होती है. इस भावना के कारण वह आत्मिक सुख कल्याण से दूर जाता है. उत्तम त्याग उत्तम दान का प्रतीक है. दान कर पुण्य के भगीदार बनें, ऐसा भी उन्होंने साफतौर पर कहा.

वाशिम में इस समय सारोपासक साधना संस्कार शिविर में पूरे देश से बड़ी संख्या में भक्त-महिलाएं सहभागी हुई हैं. संपूर्ण शिविर में भक्तिमय माहौल बन गया है. शिविर में महिला-पुरुष विशेष परिधान में पहुंच रहे हैं.

देवा श्री गणेशा...

गणेशोत्सव की चित्रमय झांकियां

माऊली बालगणेशोत्सव मंडल

4 साल, छत्रसाल नगर : अध्यक्ष पवन उईके, निखिल सुंदरकर, सूरज वानखडे, अमोल पारडे, ओम तीरकप्पा, मिलिंद आठवले.

वीर महाराणाप्रताप गणेशोत्सव मंडल

4 साल, लोहार लाईन विलास नगर : अध्यक्ष गोलू पडोलकर, गौरव पवार, युवराज पवार, चेतन सूर्यवंशी, मोहित सूर्यवंशी, जय चव्हाण, शुभम सोलंके, साहिल पवार, अर्पित सोलंके, अभिषेक सोलंके.

अमर भगतसिंह गणेशोत्सव मंडल

वर्ष 44 वां, फ्रेजरपुरा : अध्यक्ष बिपिन श्रीवास के मार्गदर्शन में उपाध्यक्ष शुभम श्रीवास, सचिव मनीष मंगुलकर, सहसचिव करण यादव, कोषाध्यक्ष मोहित श्रीवास, सहकोषाध्यक्ष अंकुश शर्मा, सदस्य अक्षय श्रीवास की अगुवाई में गणेशोत्सव मनाया जा रहा है.